



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

इति नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

यनरुटवियान्ननके॥ नयमसाकयानयसायुन॥ ॥

रतापित्तः वज्रनावनः रुकेसनः त्रिनः मनवः विविलिः

शुविः शुक्रम्यानः नन्नलारः ~~स~~ याठके धद्वदयद

साखनवलिः धन्नाशुवलिः बाट्वानानः खाडनंरसठ

यावतानके॥ ज्ञानाकावदवाटयिठया नयमसाक

या सक्तनागयानाव॥ ॥ रिकतुः ~~र~~ रुनाः त्रिजि

नः त्रिनवः त्रिन॥ धनंरुदयादवः इतुनखस

नयावतानके॥ नयमसाकयाः धाधसक्तसनदठ

धाम
दाध
स्याम
या

याः ता नागा इया शब्द याः अजिन इया शब्द याः रुसन
या यत्र वृयाः सस्तु स नाग वद ॥ ॥ २०० ॥ सुः सिधियः
मत्र वः यि यि निः शुभिः गुगुनिः जिनः ह कजिनः श्वया
श्वनः । स्य वृ यि ॥ थर् च द या व वः ता न केः प्राचा वृ मी सा

या धान स्याथ स्याक याः कौ थ दा या व ता न केः द्या थ स्य क
ना व ॥ ॥ १२०० ॥ नड नडः अ वुः मत्र वः न व वः स्वयनः द्दी गु
म व यु या मत्र या ठि स नि या वः गु नि यि दा व न व ता या व
न र व दा य का वः थ व शु गु नी च ना व ता न के ॥ दिनः रा न

न श्यादा न डी डीः रु स न रु डी याः वि रु रु डी या न
 ॥ १ ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न
 ॥ २ ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न
 ॥ ३ ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न
 ॥ ४ ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न
 ॥ ५ ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न
 ॥ ६ ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न
 ॥ ७ ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न
 ॥ ८ ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न
 ॥ ९ ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न
 ॥ १० ॥ ॥ रु रु डीः वि रु रु डी या न

या दा न न क ॥ वि रु य म रु या वि रु यु न ॥ ॥ १२ सा व
न व स रु ना न, य ता न स रु ना न, ध न, य ता न स रु रु य
वि रु य म रु या वि रु यु न ॥ ॥ १३ क ग त्रि या ना, न क
क का या, ध स त या न न क ॥ मि सा या न ग सा रु रु ना

नग
कथ

क्रिय

क्रिय

नगसा शयुवा ॥ ॥ २६ कर्त्तिः यनयः धनिता निया द. इतुका
डा लनर्कः नगसा न क्रिय इत ॥ ॥ नरा दृया नम कर्त्ति
क ॥ ॥ य सि यिन पुना वाकु व न के धन डिवा ॥
१५ सा नः कय ह नः वा दा शः स्वयनः यमा क स्या या स

वाय

वाय

क सि धानाः थ ० तु क निया द वा य ॥ थ क या न न व न य
नान पी हा व या द नः डि व ॥ ॥ १ ति मा सा नः वा दा श
क य ह नः स्वयनः धन र दृ या दा व वा यः ना न वि ल
डा याः भा य द्या क याः सि द नः न न द्या न या सा ह ह्या

वाय

वाय

साहा
साया
२१

या. कय. तन आकया. समुस जिन्वा. ॥१॥ भदाः कय हृत्
वावासन. एक स्वान या हा. धन रुद्रया दानः पाय
ववि. या द धनया. ह सु या द धनयाः व याः कय
या द धनयाः सा हान हानयाः धन तना द ॥ ॥

गोक
धन
या
२१

होथं जातिः मुमुनिः कय हृत् दिः वावाशः धन रु
द्रया दानः स्वा धे द्रया. नान स हिया दः पायः ना हा
गुटि. तो द धनया. स्वाय दाना श. काय ठ चि दान दानय
कय ठन आक. तो द धनयाः स्वाय दाना श ॥ ॥

रुस
या

रुस
कया

२१

१

१ गो वा हा युः या दा शः श्रुय ना धं स नि या द या यः रु स न क
स्या क याः सा क्रा वि क या, क्रा स्या आ क या वे ॥ ॥ १ कृ न
ॐ सु नः ३ धः श्व क्रि श टि स नि या दः दा य का द या य
क्र स्या क या, स ना क द ट याः रु स आ क ना द ध व श ॥ ॥

स्य क
या ध
क ध

१ श्व स ना रु नः ह क जि नः श्व धा श्व कः गो वा हा युः द सि द्या नि
न व दः स्य श्रि ॥ ध न रु द या दः शि क न यु, बा श्र रा ग
म स ५ ध न वि क रु दा द क य, क्रा स्या क या, ॐ सु या
स ना ग ला न स्या क याः ध शि क न न ना व ॥ ॥ १ ॐ

स्थाक
यावि
कधं

मुनः ३ गवाहादः हकजिनः हनलः तात्रिस्वानः म
धं शानः धास्मलाग वृदयादः चिकं पु १ वृन. थचिक
न नवय. निरा लसया य. वय. स्थाक स्थिक या. रु संविका
नया. स्था ५ कनावा ॥ ॥ यादाशुः सप्र ५ हसयान

स्थाक
स्थिक
यावि
क २

३ गजमठि ३ कक पुहा ३ ग्वायनकहा ३ ग्वायतु ३ यिप
नि ३ हनन २ कयथा २ विहा १ धा लसया दा व. चिकं
वृन. थचिक न नवय. निरा लसया यः स्थाक स्थिक ५
कनावा. रु स्था. सि विकान न स्थाक या नावा ॥ ॥

सुठि
काय
धिक

६६ वरुसुनयाहयाठियु। ज्ञनमायाह नयाठियु। ज्ञ
नमायामायाह नयाठियु। इरयुयाह नयाठियु।
सायाओ.यु। कसिननं व.यु। यिकनयु। थं तिरा
गयादद.विकं युन. थयिकनरुनडिठदद

दकसियः थयठ म सनाः नबदः डिठरुनः रुयवठ
निः कृयः थयिकनयागुनः वातयाः रुसयाः ३३ठि
कायाः। स्याकसिकया. रुसनया वनयुयाः नानयका
वन स्याक यानावः थयिकनयानाम. इवासा नन॥ ।

नार
विक

१॥ अयामागः सिद्धावः क्रनसिधनः चवक्रिनः विक
नखुनः थवि. कन. नवससिधनः पुयुस्यडायुद्धः थ
विकनद्यानस रूयद्याननाठयाद. द्यानननाठ
डा॥ ॥ १॥ साद्यनः यठद्यनः विकन. सिधः धर्गमिन

मह
विक

नयः॥ थविकनस. बाश्रुक्य. क्रनसिधनः निनाथुदिक
य॥ थविकनयागुः द्यानयाः॥ कयियाजिब॥ थविक
नयानासः ॥ महविक॥ ॥ १॥ यानदाकः खादाकः
वद्यादाकः विकखुनः सप्रसिवाडक्य॥ चनजिठ

द्यान
ठश
कया

अभि
शाक
या

२

कवि
या

नदवृकसिय॥ थवि कनया गुनः ठ झाक घानयाः रथ
नि झाक याना व॥ ॥ १॥ सिद्धाचः गंवकः सतातः प्रसि
नः रुध पुनयः सनवः गुगुनिः थ न हूत या दाना वि
कन गुन॥ थवि कनया गुन धा क कू च गु क कू ना

२

अभि
शाक
या

नाडयदनदव ककूया॥ थवि कनया व॥ ॥ १॥ साध
न॥ सिनः सकि ॥ १२ धान सिनः कनसि थननवाना
व सिन॥ थ थन सिन वि कः याम स डि डा क थिस
शिवः च धान स थ न रि ठ स इ ना वृ हना॥ ॥

२४ दि विन स्वाहा ॥ १०३ ॥



पुजा देव
के न दाव
थ न वासा
स्या यमन



थ र्गु र्गु वरु स वा
या व. कु कु म. ग्व ना व
पन. क पुन क पुन ॥
वान क मी वा ठ न क
स्वा य के. वा य ह इ व
म द न व

जु पु य न
क्र या ना
म ट य
मा न श
नो शु र

२ थ र्गु. र्गु वरु स. कु कु
म. ग्व ना व न. ग्व वा ड. थ
न न री या व. कु म्र न शु
का न वि ठ ड. कु र्वा
य म. र्गु न यु न म
रु न व ॥



ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ
ॐ	ॐ	ॐ

एक कुमः मन्त्राचनः कवुनः।
 कस्तुतुनः शाखदः थठिम्भ
 नृक रनादः रजयुस री
 याडा कन्नन कान विदाद
 कखायकः कुन म क कया
 तुवठडा नाराय नरु॥

एक कुमः मन्त्राचनः मसि
 नः शाखदः कवुनः कतुनः थ
 न॥ रजयुस रीयादः रजयुस
 कखायकः नाना इवया धन
 विदायः रठ मानया वय
 वावयाः मवनया दाठया नरु

१३३ सव ५१ २३ अग्नि ३३ ३ यनयानन्द हनिन यद
गसव सव ५१ २३ अग्नि ३३ ३ यनयानन्द हनिन यद
मिनाला म थ स रु चा ग बा ग य वि व क नन्द हनि
या क क नः मनया ग हि छान नन्द हनिनः न वि मिनाना

रा श्या ग य वि या श नाः थ स रु चा वृ या का व क य द
व च मा हा या य ना क श ना ॥ स न स न स न ३३ ॥ ६६६



बासा
कया

आल
याय

वा ॐ जा हूं रुट् स्वाहा॥ थ मुं बा स्या क या युय लं स्वा हा
दा डा न कि ता य बा स्या क या उ न म॥ ॥१६॥ का ना ना
य स क न कि व रु ॐ ला डा कि वा य॥ थ मं प्रः पु ट न न ट न
या सा प्र या यः ५० तु रि न ग म ना डा या य ग म डा ट नं डि
डा द न न डा ट या ह ट न पु ट या ना ना दा य या धा॥

धान
हियु

धान
या तु
दाय

॥१७॥ स्वं स्वं स्वं स्वं स्वां हा॥ थ मु ५० युय द्या न दि ॐ स्य स्य
क या द्या न स पु ट या य ध न स्या क या थ मु इ न॥ ॥१८॥
डि थ स्वा हा॥ थ मु ५१ युय द्या न ग दि व या दि द्विय
पु दा या तु स्या य द्या सा हा व या द्या स्य स्यं वि कु थ मु

सुत्र
३

कुरु
वट

ॐ हं हं हं श्रुत्वा हा गुरु नमः॥ ५३ ॥ थ सुन सुत्रया
यथ नम दय के व्यान गुयः कयव व्यान न यथ नम
इ धननाय सुथ॥ ॥ ॐ धनाया सि हं॥ ५३ ॥ थ सुन
क सय ठ स क शु डा डा या विक न थ न न नाना वा ॥

मान
कवि

प्रव
या

ॐ कि कि टा ला कि र्थ स्त्रा हा॥ ५४ ॥ थ सु यन या दा विक न
इ यन य थ विक न न ठिन क मान स डा वा क हि ना वा
॥ ॥ ॐ गुरु ग्य गुरु ग्रा ग्या॥ ५३ ॥ थ सु खान सिय न व
इ यन या दा वा न थ व ठ क द रु भवन म स्त्रया य म रु॥

ॐ नय ना को मय ना हा ट ना ट द नं तु कु तु कु तु स्वा
हा॥ अ० थ मु य न वा द सा क्र वि क का य रु स ह वि
क का य रु स थ क वि का य॥ ॥ ॐ ल त मु वि किं
कि मि स्वा हा॥ अ० थ मु य न वा द मा वा ट स व थ स

पु य कि मि क का य न र व इ य न वा त न के कि मि क
थ य॥ ॥ ॐ का नि य क य रु स्वा हा॥ अ० थ मु य न वा
इ य थ स पु य य थ स्वा क या न ना ना डा॥ ॥ ॐ
ह का नं स्वा हा॥ अ० थ मु ~~न~~ वा न क मा वा ट स र वा ता

॥ यद्वा इति वा. रुं ट वृत्तिवानवस्य किन्तु कियाद्वय
थ सनासाठिन संदा न्नन युय. याता ना येलाब ॥ ५

ॐ हं हं हं हं कां नं स्वां हां ॥ अ १ ध सु इ य न या ब डी न
वा क स डी न. मान ना स ध सु. कृ य र य म दू ष या. र

दया. दंडाया. कृपय रय मद्रु न॥ ॥ १६ उड्डसिना
य. अत्रन वनन कुतकुत स्वाहा॥ अ १२ थ मुन विक्कं ड
वनया डा. यालितन स. पिना कस चिकनन वृथ. युनि
रदा स्थ वसा. मसा डा क्त मठ व इ ना॥ ॥

यस
मद
यके

ॐ किं विं कां रं स्वां हां कां रं विं कां रं स्वां हां विव जात्रा
गं जां लां गं विं कां रं जां हां किं विं कां रं स्वां हां ॥ अ १ ध मु
पत्र या डा क य ख द्या ज न ग ग रा न सा न य या यः धु न दा क
या रा न न दा क याः विवा न दा क या र ठि न दा क या

श्री माहा काली दया की पादुमाली सर न पाप भ न वी वा ड गुर सो टे का टे
की श धा ज धी वृ दी व ग र दी र न सी व स व ली वी स व धी धो म जी जी प्र के
मार श्री गुरु न मं स काल पु गु उ कु फल सो हा धार ७ ॥

वि न दा क या ना ना ड पु न दा क या दा दा न र सि द्या
द्या न याः यस त्रा ग लि का य य व न म द य के य ज न दि
य म रु य के द्या न त्या क मु इ य के ध मु न इ न ॥ ॥ ॐ न
मा गुरु श्या हिं सिं स्वा हा किं रं स्वा हा वि न स्वा हा ॥ अ १ १

पुनः धर्मं यत्र यावत्तय याय. ददया कं यु ज्ञानं न. दद नवन
वि युत्वा ॥ ॥ खना यादायः सु शुत्रिः कच हनुत्रिः यादा
शुत्रिः रि क थुदू क न या दाः यत्रि वि नः थ शुत्रि व श
वाश ल यायः या दा ध ग्य द्या न इ प्र. का न हि वि का न वा के।

पुनः वाश ना दा ॥ ॥ १७ श न हः ध क स्याः हनुः या दा शः ह क डि न
वाश थ न लू द या दा दाः शुत्रि वी नः थ शुत्रि दा शु न क
स ग्य न द्या न इ प्र यायः अ ठि रि क ॥ ॥ १८ ह स या न
द्यावः ग डिः हा क हनुः या दा शः थ न लू द या दा दाः

मड
कहि

१२

श्रम
या

१२

ग्वनिदयकैः थ ग्वनिदाशुनेयायः मडकविहिहूक
विः यरु क वि वि मि ग यु क विः नानाहि वि का न व
इ क वि या ना व ॥ ॥ ह म नः ह र नः ह क डि नः
वा हा दुः थ गी ता इ ड या दा वः चा न या सि र्सी या य

कहि
या

१२

न व ट ड या न या य थ न म ड ॥ ॥ श्रम ह नः इ थ न
खान या ह नः र तु खान या कै ॥ थ त रु ड या दा वः ग्व नि
दि त य कैः थ ग्व नि नः या न या सि सि या यः या न या य
थ न म ड इ न ॥ ॥ इ थ न खान या ह नः र म नाः वि

क्रिद
डा

१२

कय
ताशु

१२

चिकीषनठंयादःथनतालुदुयादादवायःचानवा
नसुत्रःननानक्रियिहावयुव॥ ॥रवावाशुःशुशु
निःस्तकहरःश्वानहनःकुवनाःश्वसगठ॥थनतालु
उयादवःमनिउयकःथमनीनकयताशुनःयाकस

भात्र
कवि

१२

धान
कवि

१२

नवदयाःमत्रशुनवडायावायःदशुकादकयया॥
कवियासिःनिवयादहनःकनिहहनःथनलुदुयादा
दवायःमानसकविदवयननाननव॥ ॥नव
वसाहःनिमायार्क॥थनितानियादवायधोत्रिकति

कवि
या

वाञ्छुकविः द्याद्यत्रकविर्बडाया द्यायननाननन॥ ॥
॥ ह्रः निवयाकैः वसवुया दृष्टः दददाथकादाः कसि
धरः ॐ सुमित्रः धर्तसमस्तगच्छदयादावः क्वचिविक
नसादायकवियया छत्रकिनय इत्रदास्यकसिय

मान
कवि
या

धविकननव्यः कया वासकविः दृष्टं कंचित्तयवा
गुक्विः ननमगुक्विर्बदायाः धविनत्रावा ॥ ह्रः
निवयाह्रः धर्तवृदयादावः द्यायः भादकवियया द्याय
॥ ॥ ह्रक् ह्रः वसिद्यानिः ह्रसयानद्यावः गडिः

कवि
या
१२
कवि
या
१२

वा वा ॥ वयनः धनं ता लु या दा वः गृहि वि दा व वा
यः विक लु न डि वः ध वा स न न क लु वा का व द न न
न ना व ॥ ॥१ क वि व्या नः क य ह न नः ॥ ध न लु द या दा
व कं व वि क न स दा य का व ॥ क स य द स क वि व द य

कवि
या
१२
कवि
या
१२

ध वि क न ध नः न ना न ना व ॥ ॥१ के न ह्या स्या न या ह न
क ल ह न नः क वि व्या नः ध न स्र ल ग या दा व वि क लु न
ध वि क न क वि व या ना व क स य न स व द सा प्रा व
स डा सा ना व ॥ ॥१ क व वि स्था नः क न वि न या ह नः क

कन
सुन
या
१२

नविनयाश्वाः कनविनयाहः कवद्यानः कवहहन
कयुनः कसुन॥ कयिविकनससुढाव. कसयठसथ
नः थननाद॥ थबासननमुनिरिदावयायथननाद
कन. सुन. कन सुनडावयाः थबाशुइना सुला ॥

कन
सुन
या
१३

कयदाया सुन॥ उनादयाय॥ अनकचिदया॥ ॥ कयद
या सुठिन. अमुआदाकाय॥ अनकचिदयानाद॥ ॥
अनसकिवनकादनियादमुनिरिदावः मारसदथ
दादनुयक॥ अनकयियानाद॥ ॥ गयदाप्रसया

धृति धृति नया व. मुनि चिन्ता ॥ धृति निवा शुनः ह्या ड स्य वा
कया कया द. ठ न शा स्य सि न्ना ब क चिर्थं छा डया ला शु
या, हि न्न व या ना व ॥ ॥ ॐ ह का न ह नि ना ग स्या द
॥ ५ ॥ धं मु या दा वः पु वा के डा कि, क च ह न्न व, नि व

व. मु य न या व. क नं द या थ वृ य. ग स रु या व. मु यु का व
का ग. ध वं शु ना व ज्व य. स मु द ॐ व ॥ ह नि ना स य वा शु
॥ ॥ २ ॥ ह म वि क. वा न या दा क. ध नि ता दा च के. ध कि स द्र न
शि व न क्क थ क दा क्क य. वि सि थ क्क य थ वृ य. ह नि ना स य वा ना ॥